जंतन्यातम् क्षित्रावर्थि अवंत्रितिवीलवेस् श्रीरामराधाना नार्थे तपिति वोगः चैनीतीत्पत्रस्त स्पाप्रेयमराजीवलोचन जानकी नहम सी विता जया प्रकृष्य में किये व सित्तन धनुनी नेप शानक्र चरान्य स्वतीरम्यानगनानुमाधिक्रप्रतिवित्रे रहे मिक्तिपश्चेशतस्य सर्वयाताः रामरञ्जावहै। या रामनः धासर्वकामदा र शिरोमराह्यः पातुः जात्ने दशरणात्मजः क्रेशले वे स्थापानु विश्वामन प्रण श्रात नाम मुख्योमिनिवत्सवः जिन्द्रोविधानिनि पतकंद्रमर CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

(28)

हिम्मार विकास के स्वास्त्र के स शनमः शीताप्तपीरिरसियाम रहनाणि शिखा प्रचीपर् भरताम माप्य वया प्रदेशर था। यमाण्येन वापयो बर् हन माप्य व अशापकर ने बरिगरतानणशापातको दिवाचितारे यहेन गेष्ठसाम्हापत्र बनाशेनं शाक्षीरामचन्द्ररराव केशराम्याम् राष्ट्रश्य जरुता जन विश्व की रामरा मर सुनं द्वराम भेरा म कीरामरामस्राज्याम्यम २ देश्वस्य कीरामखन्तस्य रवातिज्ञ स्वीरेनुष्ट्र पदोन्हः श्रीरामनुद्रपरमामादेशा

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham.

ह्मा सम्याम् ति ११ रामे दिव्य देनि राम बन्देनिया सारम्य रो तिरा व्यतिषाषेश्री से हिन्यि होत १२ जा जाने य संवे जारा मतामिशिहीतं ए केरे धारपात्पदारं स्थानवीति दयः युज्ञ ये जा विश्वा राज्य विश्वा स्था रेत अ व्याहता सा वि अस्म मेर्नियां मेर्ड के स्वार्थ वा जा चा स्व राष्ट्रिया विमादरः तथावितचार्न्यातः प्रज्ये बद्देशे विदः १५ त्यानिवसंवन्ते सङ्गावे महावसी छेउरीकविशालाही वीरक साजिमांचेरी १६ प्रथम सारी नो देनी भारती वीष

िव

CC-0, Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

ण वंदित्र ए रके चो दिन्या प्रथः पातु मुजो भग्ने सर्व प्रश्ने विशे तिता प्रशिः पातु हुई ये म मर्थन जित्र ६ मन्यं पातु स्वरं ५ ये ती ना निजा म राष्ट्रापः सुनी वे पाः कि है पातु सङ्खितो हुनु मासु मुज्ज ना प्र लमेर ने पूजरही कुल विमाया कुल मा जुनो से तुरु पारे में वे द्या मुखेनक दश्रामानुशिरः वातु अक्तानाम अवेकरः पारे वि की छताः कातुराक्री रिवंदरेग मुः ६ क्र ताराप्रवृत्मे वेतारहाणः सुक्तीपहेत सिवराष्ट्रस्कीप्रनीविजिषिकि नवेत १०११ता व्यातात को प्रनिश्चारियाः क्ष्युकारिया न इ प्रमिष्णक्रीते

541

97 -

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

त्रिहो मेजहः पातु ए छतः पातु माध्य वः पार्थ न श्वधन्य से तोश र तेषे राष्ट्र रक्ते ३२ सन्तर्द्धः बक्वभी स्व द्वी-वापाबान धरेषु था मद्भारिकेसाकं रामः वातु सन्दर्भसाः ३ ज्ञामः र ध्यव्यासाविरायः परमापरा श्राविरामः स्वति जीकाना भी मान्यम श्वराप्रभार शेष्ठ रामादशर शीस्त्रोत अस रणनुनारो वति बेद्रस्थः प्रस्थः प्रशाः की शर्वे द्वारवनाते स्थ की वृद्धाः प्रशाः प्रशाः प्रस्थाः प्रशाः प्रशाः प्रशाः प्रशाः प्रशाः प्रशाः प्रशाः प्रशाः जीत की वृद्धाः प्रशाः नमप्रकेषे पराज्ञमः २६ रात्तिरामनामामन् र्वतः स्वतं पर्ते CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

रिसो 9 जीदशरणस्पे तो धातारो राष्ट्रवासी भी जानो सिरामे न प्रनाक्षिरामेखी जा जिस मेब द ना शिरामे सर्वा प्रिरामे न त प्रतासमामाना प्राप्त प्रतास प्रतास विकासिता से द्वादी सम्मान स्वादी स त्रशायहापासुमित बंगसंधानी रश्तायम्भराम्य म्यायम् वागुतः एपिसादेश गहाता २० सर नेपासने जुला ना द्वीरी सर्वधन्यता रहानुविनिहतारीजापतान्तीरवृत्ते २०

74

द्वाण्यावन्त्रणवेद्वीर्द्वनाथाद्यानायाय्यीतापरित्रणे तत्रोतमः ३२ राजेलह्मरंगाप्रकृतेन्द्वयरंभीतापरित्रेद रे जानस्य अक्स्मार्कर गुरमानि चित्रां ये ये पाइन्ते रा ने द साप सेश्व दशार चता येशपा अश्वेताति माति व हे ब्रोकाविरात्रेरहेकुलतिलक्ररावाचराचनारि ३३ क्षीव्याप्रजेति रे वित्राम् ने में स्थानिक वित्रामिक वित ख्यातनिष्नामान्वभीरोणं सणिते माग्य ध्रसः तमीते मा नकी माने माग्यस्य निरिष्ठति । दोहा महाम्पानत

CC-0, Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

ज्ञुन्व मेचा प्रतंप्रकृषं प्राचीतियो न सेशप्र २० मनेत अस्व मचा जा गर्म प्राप्त प्राप्त का स्थाप श्री अना है। असे बाहरते को जीत ते दिये थी है मताबंद खेना ताना ने बा में प्राप्त की जीत है से स्थाप के हिंदर ने धार रेने रेम से महास्य के हिंदर ने धार रेने रेम से मिखा दी हित वारी में मस की के तरा समे रामा प्रशाम हो प्राप्त के बे रेनिया त्या के विकास ने ने प्रश् प्रशाम हो प्राप्त के बे रेनिया त्या के विकास ने ने प्रश् करते खाराव बन्देसर्या प्रविध ३१ क्षारावा वरामन

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

तिर्

和以

तताच महिनहत्ता जतह पाप जता है। चतह का ल है महा क्ष मा मह जाप २ जो प्रति पा ना मि देप सके तिस्वते रामका मिष्ठी प्रति में भू माहते क्षेत्र त १८ ८ ६ रिनास है प्रति महामा है। CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

